

17000 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति

मेरठ में इन्वेस्टर्स समिट में कैबिनेट मंत्री ने **बढ़ाया उत्साह** 7000 करोड़ के निवेश लक्ष्य को पीछे छोड़ा

जागरण संवाददाता, मेरठ : प्रदेश सरकार द्वारा जिले में निवेश के लिए तय किए सात हजार करोड़ के लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए शुक्रवार को 17 हजार करोड़ के निवेश पर सहमति बनी। परतापुर बाईपास स्थित होटल ब्रावुरा में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के संकल्प के साथ सहमति पत्र प्रस्तुत किया। निवेश की बारिश के बीच रिकार्ड 73 हजार युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद जगी है। मुख्य अतिथि व औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन व एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। समिट में पांच सौ से अधिक उद्यमियों ने भागीदारी की।

इन्वेस्टर्स समिट में उद्यमियों के सवाल के जवाब देने के लिए विभिन्न संस्थाओं से आए विशेषज्ञों के चार सत्र आयोजित किए गए। एमएसएमई, स्टार्टअप, यूपी सीड, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, बैंक, स्थानीय उद्यम एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी बात समिट के मंच से रखी। साथ ही उद्यमियों के सवालों का जवाब दिया।

वहीं, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, वेस्टर्न चेंबर आफ मर्स एंड इंडस्ट्रीज और मेरठ



मेरठ में ब्रावुरा रिसोर्ट में शुक्रवार को इन्वेस्टर्स समिट में उद्यमी अरविंद अग्रवाल परसवाड़ा (दाएं) को सम्मानित करते मंत्री नंद गोपाल नंदी (दाएं से तीसरे), मंत्री राकेश सचान (दाएं से चौथे) व सांसद राजेंद्र अग्रवाल (दाएं से दूसरे)। बाएं मौजूद हैं राज्य मंत्री संजय कुमार, विधायक अमित अग्रवाल व एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज • जागरण

गुंडे ही नहीं, बिगड़े अधिकारी भी सुधार दिए: नंदी

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि अब गुंडे या तो जेल में हैं या फिर बहुत दूर भेज दिए गए हैं, जहां से वापस आ नहीं सकते। बिगड़े हुए अधिकारी भी सुधार दिए गए हैं। अब गुंडा टैक्स नहीं देना पड़ता। तपस्वी नरेन्द्र मोदी के हाथों में देश सुरक्षित है तो कर्मयोगी के हाथों में प्रदेश सुरक्षित है, इसलिए निवेश कीजिए। वह इन्वेस्टर्स समिट (इन्वेस्ट इन मेरठ) को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर

रहे थे। नंदी ने एनओसी आदि की समस्या पर कहा कि उद्योग लगाइए, एनओसी मिलती रहेगी। पहले समय था कि उद्यमी बाबुओं के टेबल पर चक्कर काटा करते थे, अब ऐसा नहीं होगा। जब तक उद्योग नहीं लग जाएगा तब तक बाबू स्वयं फाइल लेकर जाएंगे। फोन करेंगे और जानकारी लेंगे। यह बदला हुआ उत्तर प्रदेश है। उद्यमियों को इंसेंटिव बुलाकर दिया जा रहा है।

इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने उद्योग लगाने व विस्तार में आड़े आ रही दिक्कतों को मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष रखा। मंत्री नंद गोपाल

गुप्ता नंदी ने प्रदेश सरकार द्वारा उद्यमियों के हित व औद्योगिक माहौल बनाने के लिए संचालित 25 नीतियों का जिक्र किया। मंत्री

राकेश सचान ने उद्यमियों को अधिक निवेश के लिए प्रेरित किया। डीएम दीपक मीणा के अनुसार बड़ा निवेश होने से रोजगार की असोम

संभावनाएं उभरी हैं। इस पर निवेशक व स्टार्टअप सम्मानित किए गए।

73000

युवाओं को मिलेगा रोजगार

नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने पर जोर

नए औद्योगिक प्लॉट उपलब्ध कराने पर सर्वाधिक जोर रहा। उद्यमियों ने कहा कि सरता व विकसित औद्योगिक क्षेत्र मिले तो मेरठ में निवेश रिकार्ड स्तर को छू जाएगा। एनसीआर में शामिल होने के कारण मेरठ में जमीन महंगी हो रही है। परतापुर स्थित कलाई मिल की जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की मांग भी उठाई गई।

छोटे उद्यमियों को दें लाटरी से प्लॉट : सचान

एमएसएमई, कपड़ा, खादी-ग्रामोद्योग मंत्री राजीव सचान ने कहा कि सरकार भी औद्योगिक पार्क बना रही है। निजी औद्योगिक पार्क बनाइए, उसके लिए धन सरकार से ले जाइए। उन्होंने नंद गोपाल नंदी से मांग रखी कि बड़े उद्योगपति ई-आवसन से भूमि ले रहे हैं लेकिन छोटे उद्यमी बड़े प्लॉट नहीं खरीद पाएंगे। ऐसे में छोटे उद्यमियों के लिए लाटरी से प्लॉट देने की व्यवस्था की जाए।